AE-665

M.A. (Final)
Term End Examination, 2016-17

HISTORY

Optional

Paper - VIII

History of the Marathas from
1647 to 1761 A.D.

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 100
[*Minimum Pass Marks* : 36

नोट : किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Answer any **five** questions. All questions carry equal marks.

---

1. महाराष्ट्र के सांस्कृतिक एवं राजनैतिक जागरण में समर्थ गुरु रामदास के योगदान पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the contribution of Samarth Guru Ramdas in the cultural and political awakening of Maharashtra.

---

2. शिवाजी के प्रारंभिक जीवन के विषय में आप क्या जानते हैं ? लिखिए।

What do you know about the early life of Shivaji ? Write.

3. पुरन्दर की संधि की शर्तों का परीक्षण कीजिए। क्या यह मुगलों तथा मराठों के बीच स्थायी समझौते का आधार बन सकती थी ?

Examine the terms of Treaty of Purandar. Could it form the basis of permanent settlement between the Mughals and Marathas ?

4. शिवाजी के चरित्र का मूल्यांकन कीजिए तथा मराठा इतिहास में उनका स्थान निर्धारित कीजिए।

Evaluate the character of Shivaji and determine his place in the Maratha History.

5. शम्भाजी के शासनकाल पर एक आलोचनात्मक लेख लिखिए।

Write a critical note on the regime of Shambhaji.

6. ''मराठा स्वाधीनता युद्ध के इतिहास में राजाराम का काल उल्लेखनीय है।'' विवेचना कीजिए।

"Rajaram's reign is remarkable in the history of Maratha War of Independence." Discuss.

7. साहू के नाम से प्रसिद्ध शिवाजी द्वितीय का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate Shivaji II who was popularly know as Sahu.

8. पेशवाओं के अभ्युदय के कारणों पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the causes of the rise of Peshwas.

9. पेशवा बालाजी बाजीराव की विदेश नीति का वर्णन कीजिए।

Describe the Foreign Policy of Peshwa Balaji Baji Rao.

10. पानीपत के तृतीय युद्ध के लिए उत्तरदायी कारणों की विवेचना कीजिए।

Discuss the reasons responsible for the Third Battle of Panipat.

———